

लालबागचा राजा के सीधे दर्शन के नाम पर ठगी, 12वीं का छात्र गिरफ्तार

मुंबई, यशभारत। गणेशोत्सव के दौरान लालबागचा राजा के सीधे चरणस्पर्श दर्शन कराने के नाम पर श्रद्धालुओं से ठगी का मामला सामने आया है। कालाचौकी पुलिस ने इस मामले में 12वीं कक्षा के छात्र प्रणव यादव को गिरफ्तार किया है। आरोप है कि उसने श्रद्धालुओं को बिना कतार में खड़े हुए सीधे चरणस्पर्श दर्शन कराने का झांसा देकर पैसे लिए।

गणेशोत्सव में लालबागचा राजा के दर्शन के लिए मुंबई सहित देशभर से बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं। लंबी कतारों का फायदा उठाकर प्रणव ने कुछ श्रद्धालुओं से संपर्क किया और कम समय में दर्शन कराने का आश्वासन दिया। पुलिस के अनुसार, एक श्रद्धालु से 850 रुपये लिए गए, लेकिन पैसे लेने के बाद दर्शन की कोई व्यवस्था नहीं की गई। शिकायत के बाद पुलिस ने जांच कर प्रणव को गिरफ्तार किया।

फिलहाल लालबागचा राजा के मुख और चरणस्पर्श दर्शन के लिए श्रद्धालुओं को करीब दो से छह घंटे कतार में इंतजार करना पड़ रहा है। लालबाग सार्वजनिक गणेशोत्सव मंडल और पुलिस ने श्रद्धालुओं से निर्धारित कतार से ही दर्शन करने की अपील की है। पुलिस ने



बाहर से आने वाले श्रद्धालुओं को बिचौलियों के झांसे में नहीं आने की चेतावनी दी है। लालबाग मुख्य मार्ग पर भी जागरूकता संबंधी सूचना फलक लगाए गए हैं।

मैट्रिमोनियल साइट पर दोस्ती, महिला पुलिसकर्मी से 11 लाख की ठगी

मुंबई, यशभारत। मैट्रिमोनियल साइट के जरिए महिला पुलिसकर्मी से दोस्ती कर लंदन से महंगे गिफ्ट भेजने का झांसा देकर 11 लाख 19 हजार रुपये की ठगी का मामला सामने आया है। आरोपी ने खुद को लंदन का कारोबारी बताकर महिला का विश्वास जीता और अलग-अलग शुल्क के नाम पर रकम विभिन्न बैंक खातों में जमा कराई। गिफ्ट नहीं मिलने पर और ऐसे मांगे गए तथा रकम नहीं देने पर फोटो सोशल मीडिया पर वायरल करने की धमकी दी गई।

शिकायतकर्ता महिला कास्टेबल बांद्रा पुलिस थाने में कार्यरत है। पुलिस के अनुसार, उसने विवाह के लिए मैट्रिमोनियल वेबसाइट पर अपनी जानकारी दर्ज कराई थी। इसी दौरान 'रवीकुमार' नामक व्यक्ति ने संपर्क कर खुद को लंदन का कारोबारी बताया। उसने लंदन से महंगा गिफ्ट भेजने की बात कही। बाद में एक अन्य व्यक्ति ने खुद को एयरपोर्ट अधिकारी बताकर गिफ्ट



पहुंचने की जानकारी दी और विदेशी मुद्रा व सोने के आभूषण होने का झांसा देकर विभिन्न शुल्क मांगे।

महिला ने कुल 11 लाख 19 हजार रुपये जमा कर दिए। इसके बाद भी गिफ्ट नहीं मिला और आधार कार्ड मांगा गया। संदेह होने पर महिला ने साइबर सेल में शिकायत की। पश्चिम प्रादेशिक विभाग का साइबर सेल मामले दर्ज कर रवीकुमार और बैंक खाताधारकों की तलाश कर रहा है।

बाप्पा के मंडप में भव्य रक्तदान शिविर



रवीन्द्र मिश्रा, मुंबई। कालीना का राजा गणेशोत्सव मंडप में भव्य रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। जय हनुमान क्रीड़ा मंडल के अध्यक्ष परशुराम जाधव ने बताया कि मंडल के 45वें गणेशोत्सव के तहत विभिन्न सामाजिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। रविवार को बाप्पा के मंडप में 105 गणेश भक्तों ने रक्तदान कर मानवता का परिचय दिया। रक्तदान शिविर राहेजा अस्पताल के रक्त बैंक के सहयोग से आयोजित किया गया। इस अवसर पर समिति अध्यक्ष अनिल जाधव, उपाध्यक्ष सुरेश जाधव, सुरेश पवार, प्रकाश पवार, भीमा पवार, समीर जाधव, राजाराम जाधव, प्रशांत जाधव, रवी जाधव, राकेश पवार, अर्जुन पवार, सागर जाधव, विजय जाधव, प्रमोद जाधव, प्रशांत पवार, विशाल जाधव और शेखर पवार सहित कई गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। अध्यक्ष परशुराम जाधव ने सभी रक्तदाताओं को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया।

एनसीएमसी पंजीकरण अब आधार ओटीपी से भी

मुंबई, यशभारत। महाराष्ट्र राज्य सड़क परिवहन निगम (एसटी) के राष्ट्रीय साझा परिवहन कार्ड (एनसीएमसी) के पंजीकरण में आने वाली दिक्कतों को दूर करने के लिए अब आधार ओटीपी का विकल्प उपलब्ध कराया गया है।

बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण के दौरान, विशेषकर वरिष्ठ नागरिकों के अंगुठे के निशान नहीं मिलने पर पंजीकरण प्रक्रिया अटक जाती थी। अब ऐसे लाभार्थी आधार से जुड़े मोबाइल नंबर पर प्राप्त ओटीपी के माध्यम से अपना पंजीकरण करा सकेंगे। इससे अमृत ज्येष्ठ नागरिकों को बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है।

इसके अलावा, एनसीएमसी कार्ड खो जाने या चोरी होने की स्थिति में उसे बंद करारक नया कार्ड भी लिया जा सकेगा। इसके लिए 199 रुपये शुल्क निर्धारित किया गया है।

पंजीकरण कराने वाले अमृत ज्येष्ठ नागरिक, वरिष्ठ नागरिक और महिला रियायतधारकों को क्यूआर कोड वाली रसीद दी जाएगी। एसटी को टिकट मशीन पर इस रसीद को स्कैन करने के बाद लाभार्थी को रियायती टिकट दिया जाएगा।



नायर अस्पताल में दो डॉक्टर और नर्स निलंबित

चार माह के मासूम की मौत के बाद कार्रवाई

मुंबई, यशभारत। वरली के बीडीडी चॉल में गैस सिलिंडर विस्फोट में गंभीर रूप से झुलसे चार माह के मासूम की मौत के बाद नायर अस्पताल में कथित चिकित्सकीय लापरवाही का मामला सामने आया है। घायलों के उपचार से जुड़ा वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद महापालिका प्रशासन ने दो डॉक्टरों और एक नर्स को निलंबित कर दिया।

मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्कालीन अतिरिक्त महापालिका आयुक्त सुरेश काकाणी ने जांच के आदेश दिए थे। जले हुए मरीजों के उपचार से जुड़े डॉक्टरों की समिति गठित कर सात से आठ दिनों में रिपोर्ट देने को कहा गया था।

वायरल वीडियो में चार घायल मरीज उपचार की प्रतीक्षा करते दिखाई दे रहे थे। आरोप था कि चिकित्सा कर्मचारी उनकी ओर पर्याप्त ध्यान नहीं दे रहे थे। तत्कालीन अतिरिक्त महापालिका आयुक्त



संजीव कुमार ने प्राथमिक जांच में कर्मचारियों के व्यवहार को अनुचित बताया था।

भाजपा नगरसेवकों ने अस्पताल के औचक निरीक्षण में 34 विभागाध्यक्षों में से केवल दो के उपस्थित होने का आरोप लगाया था।

बैंक का फर्जी ऐप इंस्टॉल करते ही खाते से 1.43 लाख गायब

मुंबई, यशभारत। बैंक ऑफ इंडिया के नाम से फर्जी एपीके ऐप मोबाइल में इंस्टॉल करना 73 वर्षीय महिला को महंगा पड़ गया। ऐप इंस्टॉल करने के कुछ दिनों बाद उनके खाते से चार संदिग्ध लेन-देन के जरिए कुल 1 लाख 43 हजार रुपये निकाल लिए गए। भायखला पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

माइगांव निवासी सुमेश यादव की 73 वर्षीय मां की 18 सितंबर को आंखों की सर्जरी हुई थी। ऑपरेशन के बाद डॉक्टर को 32 हजार रुपये फोनपैसे से भुगतान किया गया। इसके बाद दवाइयों का भुगतान नहीं हो सका। खाते की जांच करने पर महज 495 रुपये बचे मिले। मोबाइल पर आए बैंक संदेशों से खाते से 1.43 लाख रुपये निकाल



जाने का पता चला।

जांच में सामने आया कि महिला ने 1 सितंबर को बैंक ऑफ इंडिया के नाम से फर्जी एपीके ऐप इंस्टॉल किया था। 18 सितंबर को चार लेन-देन में रकम निकाली गई। इनमें अमेजन के नाम पर 1 लाख रुपये तथा 14 हजार, 14 हजार और 15 हजार रुपये के तीन अन्य लेन-देन शामिल हैं। पुलिस फर्जी ऐप, लेन-देन और रकम प्राप्त करने वाले बैंक खातों की जांच कर रही है।

प्रसिद्ध कवि विनोद दास का मुंबई में काव्य-पाठ

मुंबई, यशभारत। जनवादी लेखक संघ, मुंबई और स्वर संगम फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में मीरा रोड में प्रतिष्ठित कवि विनोद दास के काव्य-पाठ एवं उनकी कविताओं पर परिचर्चा का आयोजन हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत वरिष्ठ कवि कुंआर नारायण और कवि-आलोचक विष्णु खरे की स्मृति को नमन से हुई।

डॉ. मुख्तार खान ने जनवादी लेखक संघ की साहित्यिक परंपरा पर प्रकाश डाला, जबकि डॉ. रीता दास राम ने विनोद दास के साहित्यिक अवदान से परिचित



कराया। विनोद दास ने चुनिंदा कविताओं का पाठ किया। कवि कुलमीरामसिंह यादव, शैलेश सिंह, प्रो. ह्वनाथ पांडे, वरिष्ठ कवि अनूप सेठी और बुद्धि लाल पाल ने उनकी कविताओं के सामाजिक, वैचारिक और कलात्मक पक्षों पर विचार रखे। अभिनेता राजेंद्र गुप्ता ने कविता का प्रभावशाली पाठ किया, जबकि निर्देशक अविनाश दास ने

सीकेपी हॉल की 12 अक्टूबर को नीलामी

पुनर्विकास के लिए लिए कर्ज की अदायगी में विफलता से संकट

मुंबई, यशभारत। शिवाजी पार्क स्थित सीकेपी हॉल की नीलामी प्रक्रिया ठाणे सहकारी बैंक ने शुरू कर दी है। पुनर्विकास के लिए लिए गए करीब 8.5 करोड़ रुपये के कर्ज की अदायगी नहीं होने के कारण बैंक ने 12 अक्टूबर को नीलामी की घोषणा की है। इससे सीकेपी समाज में चिंता बढ़ गई है।

पुनर्विकास के लिए पांच मंजिला इमारत का निर्माण शुरू हुआ था, लेकिन कोरोना काल में काम प्रभावित होने से निर्माण अधूरा रह गया। इसके बाद कर्ज की किस्तों का भुगतान भी नहीं हो सका। बैंक के कर्ज के अलावा मुंबई महानगरपालिका की 2 करोड़ 27 लाख 53 हजार 843 रुपये की बकाया राशि भी बताई जा रही है। कुल देनदारी करीब 12 से 13 करोड़ रुपये तक पहुंचने की बात सामने आई है, जबकि संपत्ति का अनुमानित मूल्य करीब 35 करोड़ रुपये बताया जा रहा है।

पूर्व अध्यक्ष एडवोकेट नचिकेत जयवंत ने बताया कि उन्होंने अगस्त 2023 में बैंक की करीब 1,500 वर्ग फुट जमीन बेचकर धन जुटाने पर प्रस्ताव डाला था, लेकिन विरोध के कारण यह आगे नहीं बढ़ सका। अप्रैल 2024 में उन्होंने अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया। एडवोकेट शिरीष देशपांडे ने हॉल की नीलामी से बचाने के लिए गंभीर प्रयास की अपील की है।

रैलिंग से टकराई कार, इंडिगो की महिला कर्मचारी की मौत

मुंबई, यशभारत। पश्चिमी द्रुतगति मार्ग पर सड़क हादसे में इंडिगो की 32 वर्षीय केबिन क्रू सदस्य कैनूर मिस्त्री की मौत हो गई। हादसा बोरीवली पूर्व में ब्लू स्काई सहकारी सोसायटी के पास हुआ। मिस्त्री ड्यूटी खत्म कर घर लौट रही थीं। इंडिगो कर्मचारियों के आवागमन के लिए उपलब्ध कराई गई मारुति सुजुकी स्विफ्ट डिजायर कार पुल की रैलिंग से टकरा गई।

पुलिस के अनुसार, पुल पर बने उभार से गुजरते समय चालक विजय खोसे का वाहन पर नियंत्रण नहीं रहा और कार रैलिंग से जा टकराई। हादसे में मिस्त्री के सिर में गंभीर चोट आई। चालक और राहगीरों की मदद से उन्हें मीरा रोड स्थित भक्तिवेदांता अस्पताल ले जाया गया, जहां शनिवार शाम उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। मिस्त्री मीरा रोड की रहने वाली थीं और उनके पीछे आठ वर्षीय बेटा है। पुलिस ने बताया कि चालक नशे में नहीं था और हादसे के बाद मौके से फरार भी नहीं हुआ।

संभाजीनगर-नागपुर बनेंगे औद्योगिक विकास के नए केंद्र - मुख्यमंत्री

नागपुर, यशभारत। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि नागपुर और छत्रपति संभाजीनगर महाराष्ट्र के औद्योगिक विकास के प्रमुख केंद्र बन रहे हैं। उन्होंने उद्योगपतियों से इन क्षेत्रों में निवेश बढ़ाने की अपील की।

फडणवीस ने बताया कि समृद्धि महामार्ग के पास करीब 2,000 एकड़ में 'न्यू नागपुर' विकसित किया जा रहा है। इसे मुंबई के बोकेसी की तर्ज पर केंद्रीय कारोबारी जिले के रूप में विकसित करने की योजना है। परियोजना के लिए 50 प्रतिशत से अधिक भूमि अधिग्रहित हो चुकी है और शेष प्रक्रिया अगले तीन महीनों में पूरी करने का लक्ष्य है। यहां स्मार्ट उद्योगों के लिए आधुनिक बुनियादी सुविधाएं विकसित की जाएंगी।

मुख्यमंत्री ने अतिरिक्त बुटीबोरी औद्योगिक क्षेत्र में अवादा समूह की सौर मॉड्यूल इकाई का निरीक्षण किया। उन्होंने



परियोजना के विस्तार के लिए 250 एकड़ अतिरिक्त जमीन उपलब्ध कराने की घोषणा की। वर्तमान में परियोजना में करीब 5,000 कर्मचारी कार्यरत हैं।

फडणवीस ने कहा कि सरकार 2029 तक उद्योगों को सस्ती बिजली उपलब्ध कराने और सौर ऊर्जा आधारित बैटरी भंडारण के जरिए चौबीसों घंटे बिजली उपलब्ध कराने की दिशा में काम कर रही है।

श्री सिद्धिविनायक मंदिर ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष आचार्य पवन त्रिपाठी के जन्मदिन के अवसर पर गोविंद यादव ने उन्हें बधाई दी।



उत्तर मुंबई में ठाकरे गुट के पदाधिकारी शिंदे गुट में शामिल

मुंबई, यशभारत। उत्तर मुंबई में शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) गुट के कुछ पदाधिकारी, कार्यकर्ता और कामगार एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना में शामिल हुए। इनमें शाखाप्रमुख, उपशाखाप्रमुख सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी और कार्यकर्ता शामिल बताए गए हैं। कांग्रेस से जुड़े कुछ पदाधिकारियों के भी शिंदे गुट में प्रवेश की जानकारी सामने आई है।

शिवसेना सचिव तथा महाराष्ट्र प्रदूषण नियंत्रण मंडल के अध्यक्ष सिद्धेश कदम की मौजूदगी में आयोजित कार्यक्रम में माथाडी और जनरल कामगार यूनियन के मुंबई समन्वयक निखिल प्रकाश गुठ्ठेर सहित अन्य कार्यकर्ताओं ने शिवसेना में प्रवेश किया। शाने आलम खान,



भरत चोपड़े, विधानसभा समन्वयक अभिषेक चव्हाण और उपशाखाप्रमुख आनंद कातुर्डे के भी प्रवेश की जानकारी सामने आई है।

शिंदे गुट के पदाधिकारियों ने दावा किया कि नए पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं और कामगारों के जुड़ने

से मुंबई में संगठनात्मक विस्तार को बल मिलेगा। यह घटनाक्रम आगामी स्थानीय निकाय चुनावों की पुष्टभूमि में सामने आया है। उत्तर मुंबई में संगठन विस्तार के लिए दोनों राजनीतिक गुटों की गतिविधियां तेज हुई हैं।

सीसीटीवी पोल में करंट उतरने से युवती की मौत

उल्हासनगर, यशभारत। उल्हासनगर के कैप-3 स्थित ओटी क्षेत्र में सीसीटीवी कैमरे के लोहे के पोल में करंट उतरने से 26 वर्षीय युवती करिश्मा माधवानी की मौत हो गई। गणेश गंगा अपार्टमेंट निवासी करिश्मा धार्मिक कार्यक्रम में शामिल होने के बाद भाई के साथ घर लौट रही थीं। घर के पास स्कूटर से उतरकर पैदल जाते समय वह सीसीटीवी पोल के संपर्क में आ गई। करंट लगने से वह गिर पड़ीं। बचाने पहुंचे भाई को भी बिजली का झटका लगा। स्थानीय लोगों ने उन्हें पोल से अलग कर अस्पताल पहुंचाया,



जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। परिजनों का आरोप है कि बारिश के कारण पोल और आसपास की जमीन गीली थी। आशंका है कि सीसीटीवी की विद्युत व्यवस्था में खराबी के कारण करंट पोल में उतरा। इसी स्थान पर एक अन्य व्यक्ति को भी करंट लगा था, लेकिन उसे बचा लिया गया।

उल्हासनगर मध्यवर्ती पुलिस ने सीसीटीवी व्यवस्था का रखरखाव करने वाली मैट्रिक्स स्मार्ट टेक्नोलॉजी प्राइवेट लिमिटेड के खिलाफ लापरवाही से मौत का मामला दर्ज किया है।

आईआईटी छात्र आत्महत्या मामले की जांच अपराध शाखा को

अभिभावकों के आंदोलन के बाद पुलिस का फैसला

मुंबई, यशभारत। आईआईटी मुंबई के पवई परिसर में द्वितीय वर्ष के छात्र साहिल वाकोडे की आत्महत्या मामले की जांच अब मुंबई पुलिस की अपराध शाखा करेगी। जांच की जिम्मेदारी एसपी स्तर के अधिकारी को सौंपी गई है।

घाटकोपर के राजावाड़ी अस्पताल में साहिल के माता-पिता ने शव लेने से इनकार कर आरोपियों पर कार्रवाई की मांग की थी। करीब सात घंटे की

चर्चा के बाद अपराध शाखा से जांच, संयुक्त पुलिस आयुक्त स्तर पर समिति गठित करने और आरोपियों की संभावित अग्रिम जमानत का विरोध करने के

आश्वासन के बाद परिजनों ने शव स्वीकार किया। साहिल के पिता रवींद्र वाकोडे की शिकायत पर पवई पुलिस ने आत्महत्या के लिए

उकसाने का मामला दर्ज किया है। जातिसूचक अपमान और प्रताड़ना के आरोपों के चलते एससी-एसटी अत्याचार निवारण अधिनियम की धाराएं भी लगाई गई हैं। आईआईटी मुंबई के अनुसार, उसके खिलाफ तत्काल अनुशासनात्मक कार्रवाई शुरू नहीं की गई थी और उसका समुपदेशन किया गया था। संस्थान ने जातीय भेदभाव की शिकायत मिलने से भी इनकार किया है।



मांग पूरी नहीं होने पर आंदोलन किया जाएगा।

शारद पवार इससे पहले मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को पत्र लिखकर प्रभावित किसानों को प्रति हेक्टेयर 50 हजार रुपये सहायता देने की मांग कर चुके हैं। विपक्षी दल भी सरकार से तत्काल राहत की मांग कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा है कि 5 अक्टूबर से प्रभावित क्षेत्रों का सर्वेक्षण शुरू किया जाएगा। इसके बाद राहत पैकेज पर निर्णय लिया जाएगा। उन्होंने पालकमंत्रियों को अपने-अपने जिलों की स्थिति की रिपोर्ट देने के निर्देश दिए हैं।

रकम और इसके बाद गुप्ता को सदेह हुआ और उन्होंने मामले की शिकायत साइबर पुलिस से की। 18 सितंबर को अज्ञात विभाग के साइबर पुलिस थाने में पुलिस आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया। पुलिस अब बैंक खातों ऑनलाइन लेने-देन और आरोपियों द्वारा भेजे गए लिंक व ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म का जांच कर रही है।

निर्भाग को कार्रवाई के निदेश दिए जाने की बात सामने आई है। इसके बावजूद अंबनाराथ में अपेक्षित कार्रवाई दिखाई नहीं दे रही है।

बदलापुर के मुख्य मार्गों पर प्लास्टिकयुक्त करारा अपेक्षाकृत कम दिखाई देता है और प्रतिबंधित प्लास्टिक के खिलाफ कार्रवाई शुरू होने का दावा किया जा रहा है। वहीं, अंबरनाथ के महामार्गों और आसपास के इलाकों में प्लास्टिकयुक्त कचरा नजर आ रहा है। दोनों शहरों में प्लास्टिक बंदी के अमल में दिखाई दे रहा है अंतर अब चर्चा का विषय बन गया है।

स्टील और अल्यूमेटेक सीमेंट समेत कई प्रमुख कंपनियों शामिल होंगी। वाहन निर्माण, विनिर्माण, बैंकिंग, वित्त, सूचना प्रौद्योगिकी, स्वास्थ्य और परिवहन क्षेत्रों में अवसर मिलेंगे। आईटीआई, 12वीं, स्नातक, डिप्लोमा और इंजीनियरिंग सहित विभिन्न योग्यताओं वाले युवाओं के लिए तकनीकशायन, मशीन संचालक, फिटर, बिजली मीस्त्री, मैकेनिक, प्रशिक्षु, डॉक्टर और ग्राहक सेवा जैसे पद उपलब्ध होंगे। अनुभवी उम्मीदवार भी आवेदन कर सकेंगे। कौशल विकास मंत्री मोराला प्रभात लोढ़ा के अनुसार, पलक का उद्देश्य उद्योगों को मानव संसाधन जरूरतों और युवाओं के कौशल के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करना है।

मुंबई, यशभारत। निर्माण स्थलों पर वायु प्रदूषण रोकने में होने वाली लापरवाही के लिए वास्तुकारों और लाइसेंसधारी सर्वेक्षकों को जिम्मेदार ठहराने के मुंबई महानगरपालिका के फैसले का विरोध शुरू हो गया है। वास्तु परिषद ने मनापा आयुक्त अश्विनी भिडे को पत्र भेजकर संबंधित परिषद में बदलाव की मांग की है। मनापा की ओर से 2 सितंबर को जारी परिषद में निर्माण स्थलों पर प्रदूषण नियंत्रण के निर्धारित उपाय नहीं करने पर वास्तुकारों और लाइसेंसधारी सर्वेक्षकों के लाइसेंस निलंबित करने की बात कही गई है। यह कदम वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए गठित उच्चस्तरीय समिति की सिफारिशों के आधार पर उठाया गया है।

वास्तु परिषद का कहना है कि निर्माण स्थल पर धूल और प्रदूषण रोकने के लिए पानी का छिड़काव, मलबे को ढंक्ना तथा अन्य उपाय लागू करने की जिम्मेदारी मुख्य रूप से भवन मालिक, विकासक और ठेकेदार की होती है। वास्तुकारों की भूमिका भवन की योजना और तकनीकी निगरानी तक सीमित रहती है। प्रैक्टिसिंग इंजीनियरिंग, आर्किटेक्चर एंड डाउन प्लानिंग एसोसिएशन ने भी मनापा के फैसले पर आपत्ति जताई है। संगठन का कहना है कि जिन कार्यों पर वास्तुकारों का प्रत्यक्ष नियंत्रण नहीं है, उनके लिए उन्हें जिम्मेदार ठहराना उचित नहीं है। मनापा अधिकारियों ने मामले को आयुक्त और उच्चस्तरीय समिति के समक्ष रखने की बात कही है।

को संस्थान की ओर से स्थिति स्पष्ट की गई। इस बीच आजादीवादी बॉम्बे ने साहिल की मौत से जुड़ी अपनी पिछली सूचना पर बुढ़ी माफ़ी मांगी है। संस्थान ने कहा कि मामले की जांच संबंधित अधिकारियों द्वारा की जा रही है। जांच पूरी होने से साहिल ने परीक्षा के दौरान सूलन द्वारा मोबाइल आधारे क्रिचम बुद्धिमान आधारित



वायरल वीडियो में महेश के चेहरे पर काली स्याही लगी दिखाई दे रही है। उसे सिर पर चप्पल रखकर उठक-बैठक

राजनीतिक राजत को समझने का बिजय को के राज को के बिजय पहले नीतिक स्थिति पर आरोपों से जन्ता के सवाल हल नहीं होते। उन्होंने राहुल गांधी के समर्थन को लेकर भी राजत पर निशाना साधा और आरोप लगाया कि उनकी राजनीतिक प्रार्थमिकता बदल गई हैं। बन ने कहा कि आगामी चुनाव में कौन किसके साथ गठबंधन करेगा, इसकी चिंता करने के बजाय राजत को अपने राजनीतिक संगठन को मजबूत करने पर ध्यान देना चाहिए। बन ने दावा किया कि वैदेंद्र फडणवीस 2029 तक मुख्यमंत्री रहेंगे और उनके नेतृत्व में राज्य में फिर सरकार बनेगी।

गांवों में न्यू सामा वेलफेयर सोसाइटी की ओर से अधिवक्ता फैयाज आलम शेख ने बीएमसी आयुक्त, झोपड़पट्टी पुनर्वास प्राधिकरण, एएएमआईएडीए और आवस विभाग के प्रधान सचिव को कानूनी नोटिस भेजकर प्रस्तावित कार्रवाई रद्द करने की मांग की है। समाजवादी पार्टी के विधायक रईस शेख ने दावा किया कि इस कार्रवाई से करीब 34,536 हजार नागरिकों का भविष्य प्रभावित हो सकता है। बीएमसी के अधिकारियों ने बताया कि कार्रवाई के लिए 14 फुट की सीमा 1888 के अनुसार मुंबई में कुल 2 लाख 23 हजार 150 झोपड़ियाँ हैं। इनमें 39,111 झोपड़ियाँ 14 फुट या उससे अधिक ऊँची हैं। इनमें 3,348 शहर, 4,536 पश्चिमी उपनगर और 31,227 पूर्वी उपनगरों में हैं। इनमें से सैनचाओ पर पहले ही कार्रवाई हो चुकी है, जबकि 611 को नोटिस दिए गए हैं। कानूनी नोटिस में कहा गया है कि 14 फुट की सीमा 1888 के पुराने कानून पर आधारित है। इसीसे ऐसी झोपड़ियाँ का संरचनात्मक परीक्षण कर उन्हें स्वतंत्र आवासीय इकाई के रूप में मान्यता देने और दीर्घकालीन पट्टा देने का विकल्प सुझाया गया है।

पुलिस के अनुसार, घायल की हालत ऐसी है कि फिलहाल उसका स्थान दर्ज नहीं किया जा सका है। काशीमीरा पुलिस ने घटना की जाँच करते हुए बताया कि मामले में प्रार्थमीका दर्ज करने की प्रक्रिया चल रही है। स्थानीय नागरिकों ने निर्माण स्थल पर सुरक्षा इंतजामों को लेकर सवाल उठाए हैं। उनका आरोप है कि मेट्रो निर्माण क्षेत्र में रॉयस सुरक्षा घेरा और अवरोधक नहीं लगाए गए हैं। उल्लेखनीय है कि पिछले कुछ समय में इस मार्ग पर निर्माण सामग्री गिरने की घटनाएँ सामने आई हैं। लोगों ने जिम्मेदार एजेंसी के खिलाफ कार्रवाई और सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की माँग की है।

न्यू मरीन लाईंस स्थित निष्ठा भवन के पास नियमित रूप से कचरा नहीं उठाए जाने की शिकायत सामने आई है। नागरिक के अनुसार, गुरु निगम की शिकायत प्रणाली में सूचना देने के बाद भी मिके र चकरा नहीं हटायी गया। पर्वई के हिरानदीनी गार्डन स्थित पर्वई प्लाजा पर कथित अतिक्रमण को लेकर भी पिछले छह महीने से शिकायतों के गुरु जाने के बावजूद कार्रवाई नहीं होने का दावा किया गया है।

पर्वई के वी.बी. नगर में म्हाडा इमारतों के पीछे फूटपाथ पर अवैध पार्किंग और कचरे के ढेरों के कारण वैदल यात्रियों के लिए अस्वा तक नहीं बचा है। चेंबर के पॉस्ट सीआर व्यास मार्ग और व्याव्सिक पार्क क्षेत्र में भी अवैध पार्किंग पोस्टर, होर्डिंग, बांस के ढांचे और अतिक्रमण की शिकायतें सामने आई हैं। कुछ शिकायतों पर निगम और संबंधित विभागों ने कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

भाषिकायियों ने बारिश के बाद सड़क पक्कीकरण शुरू करने और अव्यवस्थित मंजूरियों के बाद बंद बस मार्ग बहाल करने की बात रखी है।

शेफाली वर्मा का तूफानी शतक बदलते दौर की प्रभावशाली तस्वीर



किसी समय महिला खेलों की उपलब्धियों को पुरुष खेलों की छाया में देखा जाता था। आज तस्वीर तेजी से बदल रही है। अब महिला खिलाड़ी केवल पदक या ट्रॉफी जीतने के लिए मैदान में नहीं उतरतीं, वे रिकॉर्ड तोड़ रही हैं, नए मानक गढ़ रही हैं और खेल की पूरी भाषा बदल रही हैं। एशियन गेम्स 2026 के सेमीफाइनल में शेफाली वर्मा का तूफानी शतक इसी बदलते दौर की एक प्रभावशाली तस्वीर है। बांग्लादेश के खिलाफ 49 गेंदों में नाबाद 100 रन की शेफाली की पायी महज एक शतक नहीं है। तीन चौकों और नौ छकों से सजी यह पारी उस आत्मविश्वास की अभिव्यक्ति है, जिसने महिला क्रिकेट को नई ऊंचाई दी है। टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपना पहला शतक लगाते हुए शेफाली ने कई रिकॉर्ड अपने नाम किए। 49 गेंदों में शतक भारत की ओर से महिला टी20 अंतराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे तेज शतक के रिकॉर्ड की बराबरी है। वह एशियन गेम्स की महिला क्रिकेट स्पर्धा में शतक लगाने वाली पहली बल्लेबाज भी बनीं। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि महिला खेल अब सहानुभूति नहीं, समान अवसर और सम्मान की मांग कर रहे हैं। दर्शकों की दिलचस्पी बढ़ी है, महिला प्रतियोगिताओं का दायरा बढ़ा है और खिलाड़ियों के लिए पेशेवर अवसर पहले से अधिक हुए हैं। इसका सीधा असर प्रदर्शन पर दिखाई देता है। जब प्रतिभा को बेहतर मंच मिलता है तो रिकॉर्ड अपने आप बदलते हैं। शेफाली की बल्लेबाजी इस बदलाव की खास पहचान है। उनकी पीढ़ी की खिलाड़ी मैदान में संकोच के साथ नहीं, चुनौती स्वीकार करने के अंदाज में उतरती है। बड़े लक्ष्य, तेज बल्लेबाजी और दबाव में आक्रामक खेल अब महिला क्रिकेट की पहचान का हिस्सा बन चुके हैं। स्मृति मेंथाना, हरमनप्रीत कौर और अन्य भारतीय खिलाड़ियों ने भी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लगातार यह साबित किया है कि महिला क्रिकेट प्रतिस्पर्धा के मामले में किसी से पीछे नहीं है। यह बदलाव केवल क्रिकेट तक सीमित नहीं है। एथलेटिक्स, मुक्केबाजी, कुश्ती, बैडमिंटन, निशानेबाजी और भारोत्तोलन जैसे खेलों में भारतीय महिलाओं ने लगातार अपनी मौजूदगी दर्ज कराई है। हर उपलब्धि अगली पीढ़ी की लड़कियों के लिए एक दरवाजा खोलती है। जरूरत अब इस बदलाव को केवल उपलब्धियों की सुधियों तक सीमित रखने की नहीं, बल्कि उसे मजबूत आधार देने की है। गांव-कस्बों की प्रतिभाओं तक सुविधाएं पहुंचें, प्रशिक्षण बेहतर हो, सुरक्षा और समान अवसर सुनिश्चित हों तथा महिला खिलाड़ियों को लंबे करियर के लिए मजबूत व्यवस्था मिले-तभी यह परिवर्तन स्थायी बनेगा। शेफाली का शतक इसलिए महत्वपूर्ण है कि उसने एक मैच जिताया और कुछ रिकॉर्ड बनाए। उससे भी बड़ा महत्व इस बात का है कि उसने यह संदेश फिर मजबूत किया कि खेल का मैदान अब किसी एक वर्ग की जागीर नहीं है। प्रतिभा को अवसर मिले तो महिलाएं केवल मुकाबला नहीं करतीं, मुकाबले का पैमाना ही बदल देती हैं।



आज का राशिफल	
पंचांग:-22 सितंबर 2026 दिन मंगलवार, माहभाद्र- शुक्ल पक्ष विक्रम संवत् 2083	ज्योतिषाचार्य पंडित लोकेश व्यास
मेघ बातचीत करते समय अंधड़ भाषा का प्रयोग न करें। इससे संबंध खराब हो सकते हैं।	वृष व्यवसायिक गतिविधियां मध्यम रहेंगी। ये समय धैर्य और शांति से व्यतीत करने का है।
मिथुन दिन उत्साह भर रहेगा आपकी योजना से सभी कार्य सुचारू रूप से होते जाएंगे।	कर्क अपनी महत्त्वपूर्ण बात सार्वजनिक न करें। अजनबियों से सावधान रहे
सिंह आयुर्वेदिक चीजों का इस्तेमाल करें। स्वास्थ्य के लिए ठीक रहेगा उतम दिनचर्या रखें।	कन्या सकारात्मक प्रवृत्ति के लोगों से मेलजोल बढ़ाएं जो आपके लिए फायदेमंद ही साबित होंगे।
तुला साझेदारी संबंधी व्यवसाय में पारदर्शिता रखें। नौकरों पेशा लोगों को कोई अशोर्टी मिल सकती है।	वृश्चिक घर के वातावरण को सुखी बनाएं रखने की कोशिश करें खांसी, जुकाम आदि से बचें
धनु रुपए-पैसे संबंधी लेनदेन को लेकर किसी से वाद-विवाद होने की आशंका है।	मकर व्यवसाय में किसी नए कार्य की शुरुआत हो सकती है दिन खुशनुमा होगा
कुंभ धार्मिक स्थल पर समय व्यतीत करने से सुकून मिलेगा। कोई भूमि संबंधी खरीद-फरोख्त का कार्य हो सकता है।	मीन घर में किसी संबंधी के आगमन से आपके महत्त्वपूर्ण कार्य रुक सकते हैं। धैर्य से कार्य करें

विचार प्रवाह

आस्था के रंग में सजा गणेशोत्सव का भव्य संसार

देशभर में गणेशोत्सव पूरे उत्साह और श्रद्धा के साथ मनाया जा रहा है। महाराष्ट्र में इस पर्व की छटा देखते ही बन रही है। मुंबई से लेकर जालना, पुणे और प्रदेश के अन्य शहरों तक गणपति पंडालों में उमड़ रही भीड़ आस्था की गहराई के साथ बदलते समय की रचनात्मकता को भी सामने ला रही है। गणेशोत्सव अब केवल धार्मिक आयोजन नहीं रहा, बल्कि सामाजिक सहभागिता, सांस्कृतिक अभिव्यक्ति और सामूहिक उत्साह का बड़ा पर्व बन चुका है। मुंबई का लालबागचा राजा इसका सबसे प्रमुख उदाहरण है, जहां प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं। इस वर्ष लालबागचा राजा गणेशोत्सव 14 सितंबर से 25 सितंबर तक मनाया जा रहा है। लालबागचा राजा के दर्शन के लिए आम श्रद्धालुओं के साथ फिल्म जगत और सार्वजनिक जीवन से जुड़े अनेक लोग भी पहुंचे हैं। अभिनेता रणवीर सिंह, शिल्पा शेठ्टी, किक्कु शारदा, मनोज जोशी और सयाजी शिंदे सहित कई कलाकारों ने गणपति के दर्शन कर पूजा-अर्चना की। शिल्पा शेठ्टी परिवार के साथ गणपति उत्सव में शामिल हुईं, जबकि रणवीर सिंह भी लालबागचा राजा के दर्शन के लिए पहुंचे। गणेशोत्सव की विशेषता यह है कि इसमें समाज के हर वर्ग की भागीदारी दिखाई देती है। उद्योग जगत से गौतम सिंघानिया जैसे लोग भी लालबागचा राजा के दर्शन कर चुके हैं। क्रिकेट जगत में सूर्यकुमार यादव ने परिवार के साथ दर्शन किए और अपनी आस्था से जुड़े अनुभव साझा किए। मुंबई में गणपति उत्सव के दौरान अंबानी परिवार ने भी अपने निवास पर गणेशोत्सव मनाया। नीता अंबानी, अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट सहित परिवार के सदस्यों ने उत्सव में भाग लिया। अभिनेता शाहरुख खान भी अंबानी परिवार के गणपति समारोह में शामिल हुए। विसर्जन के अवसर पर भी मुंबई में फिल्म और उद्योग जगत से जुड़े अनेक लोग श्रद्धा और उत्साह के साथ दिखाई दिए।

भक्ति के साथ भव्यता और रचनात्मकता का संगम
गणेशोत्सव की लोकप्रियता का एक बड़ा कारण पंडालों और प्रतिमाओं में दिखाई देने वाली रचनात्मकता भी है। महाराष्ट्र के जालना में श्री अनेखा गणेश मंडल ने 108 किलो चांदी से बनी तथा सोने की परत से सजी गणेश प्रतिमा स्थापित की है। इसकी कीमत करीब चार करोड़ रुपये बताई गई है। प्रतिमा को देखने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। मुंबई के जीएसबी सेवा मंडल की गणेश प्रतिमा भी सोने-चांदी की भव्य सजावट के कारण आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। इस वर्ष वहां प्रतिमा को 66 किलो सोने और 335 किलो चांदी के आभूषणों से सजाया गया है।

लोकतंत्र की नई परिभाषा – समस्या पर बैठक, समाधान पर नाश्ता

काजू और बादाम अब केवल मेवे नहीं रहे; वे लोकतंत्र की नई शब्दावली बन गए हैं। नांदेड़ (महाराष्ट्र) की सूखे की समीक्षा बैठक में मेज पर सजे काजू-बादाम ने सूखे की तस्वीर एक प्लेट में दिखा दी। एक ओर खेत था, जहाँ सोयाबीन जैसी फसलें पानी के इंतजार में सूख रही थीं ; दूसरी ओर वाताुक्लित कथ था, जहाँ सूखे की समीक्षा के बीच काजू-बादाम सजे थे। पेड़ों के श्वेत-न उन्हे सूखे का पता था, न किसान की पेशानी का। उन्हें तो बैठक की शोभा बढ़ाने जाता गया था। लेकिन निर्जीव चीजें भी बहुत कुछ कह जाती हैं। उस दिन काजू-बादाम सवाल छोड़ गए—जिस बैठक में सूखे की चिंता हो रही हो, वहीं काजू-बादाम किस कहानी का स्वाद दे रहे थे? मामला यहाँ खत्म होता तो फाइलों में दब जाता। लेकिन कैमरे ने वह दिखा दिया, जो सरकारी रिपोर्टें अक्सर नहीं दिखा पातीं। सांसद के हाथ का काजू कैमरे में आया और सोशल मीडिया पर खेत से भी तेज फैल गया। किसान की सूखी फसल खबर नहीं बनी, काजू बन गया। यही विरोधाभास है—संकट सूखता रहा और उसकी साइड-डिश चर्चा में रही। एक ओर किसान की मिट्टी नमी को तरस रही थी, दूसरी ओर मेज पर सूखे मेवों की चमक थी। दोनों तरफ सूखापन था—किसान का संकट, मेवे का सरकारी आतिथ्य। कैमरे ने दोनों को एक फ्रेम में रखकर वह दूरी दिखा दी, जो खेत और सरकार के बीच किलोमीटरों की नहीं, संवेदना की है। नांदेड़ बैठक के बाद हिंगोली में किसान ने पते पर काजू-बादाम रखकर कृषि मंत्री को पेश किए, तो विरोध की भाषा बदल दी। यह भेंट नहीं, व्यवस्था को लौटाया गया उसका अपना स्वाद था—लीजिए साहब, बैठक में जो खाया था, वही खेत से उठाकर आपके सामने रख रहे हैं। कभी राजा को सोना-चाँदी भेंट किया जाता था; लोकतंत्र में किसान ने काजू-बादाम लौटा दिए। मगर उस पते पर मेवे कम, सवाल ज्यादा था—जब आपकी मेज पर काजू है, तो हमारे खेत में पानी क्यों नहीं? यह भेंट नहीं, हिसाब था। किसान कह रहा था—हम आपकी मेज का स्वाद जानते हैं, आप हमारे खेत की प्यास जानिए। पते पर रखा काजू मेवा नहीं, ऐसा सवाल था जिसे फाइल में दबाया नहीं जा सकता।

सबसे दिलचस्प बात यह है कि इस पूरी कवायद को व्यवस्था ने एक शब्द में समेट दिया—प्रथा। जिस काम का कारण बताना कठिन हो, उसे प्रथा कह देना सबसे आसान रास्ता है। बैठक होगी तो नाश्ता होगा, नाश्ता होगा तो ड्राई फ्लस्ट्रस होंगे, मेवे होंगे तो कोई खाएगा, तस्वीर बनेगी, विवाद होगा, संवेदनशीलता की अपील होगी और कुछ दिन बाद फिर वही थाली सज जाएगी। व्यवस्था का यह चक्र इतना सुचारू है कि सूखा भी इसे नहीं रोकता। बाढ़ आए, अकाल आए, किसान आत्महत्या करे या गाँव में पानी के लिए लाइन लगे—बैठक की मेज अपनी मर्यादा नहीं छोड़ती। हमारी प्रशासनिक

महात्मा गांधी और विनोबा भावे के अहिंसक विचारों के समर्थक ऑस्ट्रेलियाई मूल के एक दार्शनिक हुए हैं, इवान इलिच, जो अंग्रेजी के अलावा तमाम भाषाओं के साथ हिंदी भी जानते थे। इलिच का विचार था कि वाहनों ने मनुष्य के पैरों की ताकत छीन ली है। मशीनी तकनीक ने मनुष्य के हाथों के हुनर छीन लिए हैं और मनुष्य के विरुद्ध एक प्रति मनुष्य ‘रोबोट’ के रूप में विकसित कर व्यक्ति को सीमेंट, कंक्रीट और यंत्रों के जंगल में अकेला छो? देने के उपक्रम हो गया है। अब ताजा जानकारीयां मिल रही हैं कि ओपनएआई यानी कृत्रिम बुद्धि (एआई) आधारित रोबोट का प्रति मानव स्वरूप ऐसी हरकतें करने लगा है कि ये कंपनी प्रबंधकों के प्रतिकूल जा रही हैं। यानी ये रोबोट वास्तविक मनुष्य के आदेश का सटीक निष्पन्न नहीं कर रहे हैं। इसे विज्ञान की भाषा या रोबोट की प्रकृति के मुताबिक ‘मिसअलाईमेंट’ कहा जा रहा है। सीधी भाषा में कहें तो यह स्थिति रोबोट द्वारा पालक व्यक्ति की आज्ञा की अवहेलना है। क्योंकि ये भूलें किसी तकनीकी खराबी की वजह से होने की बजाय एआई ने जानबूझकर की, जो हरकत की श्रेणी में आती हैं। ये भविष्य में खतरनाक साबित हो सकती हैं ? रोबोट में एआई के ब?ते प्रयोग के चलते इसके संकट में डालने वाले भाव-विचार स्पष्ट दिखाई देने लगे हैं। इसकी एक गलत जानकारी अमेरिकी और चीन को परस्पर सैन्य टकराव के निकट ले आई थी। अमेरिका-ईरान युद्ध के दौरान सामने आई इस घटना का पर्दाफाश अब हुआ है। दरअसल पश्चिम एशिया में मौजूद चीन के एक समुद्री जहाज को लेकर अमेरिकी सेना के साथबर



भव्यता के साथ पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी गणेशोत्सव में दिखाई दे रहा है। हैदराबाद में राम सेतु की थीम पर 14.5 फीट ऊंची पर्यावरण-अनुकूल गणेश प्रतिमा बनाई गई है। महाराष्ट्र के वाशिम में सुपारी, सौफ और पान में इस्तेमाल होने वाली सामग्री से पर्यावरण-अनुकूल गणेश प्रतिमा तैयार की गई। विजयवाड़ा में हजारों टॉफियों, जेली कैंडी, चॉकलेट और रंग-बिरंगे लॉलीपॉप से गणेश प्रतिमा बनाकर युवाओं ने अपनी कल्पनाशीलता का परिचय दिया।सूरत में गणेशोत्सव के दौरान विश्व कप और क्रिकेट की थीम पर तैयार पंडाल भी लोगों के आकर्षण का केंद्र बना। पंडाल को छोटे क्रिकेट स्टेडियम का रूप दिया गया, जिसमें पिच, फलडलाइट और विकेट जैसी सजावट की गई। जबलपुर में गणपति को राजस्थानी राजाओं के रूप में सजाकर ऊंट पर विराजमान किया गया। कहीं धार्मिक कथाओं को पंडाल का आधार बनाया गया तो कहीं सामाजिक संदेशों को गणपति उत्सव से जोड़ा गया। यह विविधता बताती है कि परंपरा के साथ नई पीढ़ी अपनी कल्पना भी जोड़ रही है।गणेशोत्सव में श्रद्धालुओं की भेंट और दान भी आस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा है। लालबागचा राजा मंडल में दानयात्र खोले जाने पर सोने-चांदी के आभूषण, हীর की ज्वेलरी और डॉलर की मालाएं जैसी भेंट सामने आईं। 19 सितंबर तक शुरुआती पांच दिनों में मंडल को 3.1 करोड़ रुपये नकद, 1.12 किलोग्राम सोना और 19.75 किलोग्राम चांदी प्राप्त होने की जानकारी सामने आई है।

संवेदना का सबसे मजबूत स्तंभ शायद कुर्सी नहीं, नाश्ते की प्लेट है। काजू-बादाम की यह कहानी सिर्फ नांदेड़ तक सीमित नहीं; आपदाओं की समीक्षा बैठकों में अक्सर नाश्ते का इंतजाम भी होता है—मानो हर आपदा का अपना मेन्यू हो। आपदा जितनी गंभीर, नाश्ता उतना प्रतिष्ठित ! किसान के घर चूल्हा ठंडा पड़े तो संकट, लेकिन बैठक में नाश्ता ठंडा हो जाए तो प्रशासनिक असुविधा। सूखे में किसान को मुआवजा, पानी, बीज और फसल चाहिए। व्यवस्था की चिंता है कि बैठक में किसी की ऊर्जा कम न हो। किसान खेत में पसीना बहाकर और व्यवस्था बैठक में काजू खाकर अपने-अपने तरीके से राष्ट्रनिर्माण में जुटी है। कठघरे में काजू-बादाम हैं, जिनका अपराध सिर्फ इतना है कि वे गलत जगह थे। पेड़ से निकले, मजदूर ने तैयार किए, व्यापारी ने खरीदे, दुकानदार ने बेचे, कार्यालय ने बिल बनाया, कर्मचारी ने मंगाया और वे बैठक की प्लेट तक पहुँचे। फिर एक सांसद ने उन्हें उठाय़ा और विवाद का बोझ उन्हीं पर आ गया। मेवे उस जगह जैसे हैं, जो घटनास्थल पर था, अपराधी नहीं। सवाल है—उन्हें वहाँ किसने और क्यों रखवाया? क्या किसी ने सोचा कि सूखे में काजू-बादाम का यह दृश्य कैसा लौगा? हमारी व्यवस्था में जवाबदेही भी काजू-बादाम जैसी है—एक हाथ से दूसरे हाथ घूमती रहती है। अंत में प्लेट खाली होती है, जिम्मेदारी भी। पूरी तस्वीर एक पते और प्लेट के बीच सिमट जाती है—किसान के हाथ में पत्ता और सत्ता के सामने प्लेट। नेता इसमें प्रशासन देखते हैं, प्रशासन प्रक्रिया और विपक्ष संवेदनशीलता का सवाल; लेकिन किसान अपने खेत में खड़ा है। उसके सामने सूखी मिट्टी, फटी जमीन, खाली कुआँ और अनिश्चित मौसम है। उसके पास न टीवी बहस का समय है, न बयान लिखने का। इसलिए उसने पते पर वही रहस्य छिपा, जो बैठक की मेज पर देखा था। बात इतनी-सी है, लेकिन बाढ़-जिस किसान की समस्या पर बैठक हो रही थी, उसे मेज पर जगह नहीं मिली; उसके खेत से उठा सवाल जरूर उसी मेज तक पहुँच गया। व्यवस्था की यादशत बड़ दिलचस्प है। बैठक खत्म होते ही काजू-बादाम की चर्चा भी खत्म हो जाएगी, लेकिन जिस सूखे पर बैठक हुई, वह खत्म नहीं होगा। फाइल आगे बढ़ेगी, अधिकारी बदलेंगे, आगली बैठक होगी और मेज पर काजू की जगह कुछ और होगा। किसान का सवाल फिर भी वहीं रहेगा। असली दूरी काजू और किसान के बीच नहीं, बैठक की मेज और सूखे खेत के बीच है। किसान ने पते पर काजू रखकर बस इतना दिखाया है कि जिस समस्या पर बैठक हो रही है, उसकी असली तस्वीर बैठक की मेज पर नहीं है। पत्ता हट जाएगा, तस्वीर बदल जाएगी, लेकिन सवाल रहेगा—जिस खेत के लिए बैठक हुई, वहाँ पानी कब पहुँचेगा?

प्रो. आरके जैन च्छत्रिजीतज्ज

मनुष्य बनने की ओर कृत्रिम बुद्धि रोबोट

घातक होने की आशंकाएं ज्यादा दिखाई दे रही हैं। इसीलिए एआई विशेषज्ञ आल्ट्रामेन से लेकर एलन मस्क तक इस तकनीक को मानवता के अस्तित्व पर ब?ा खतरा मान रहे हैं। भविष्य का रोबोट यांत्रिक-मानव भर नहीं रहे जाएगा, उसे यंत्र और कृत्रिम बुद्धि के बूते एक जीवित मानव में बदलने के प्रयास हो रहे हैं, अर्थात कालांतर में जीवित रोबोट हमारे समक्ष होगा ? इस दिशा में अमेरिका के वैज्ञानिकों ने जीवित रोबोट का एक प्रतिदर्श (मॉडल) आविष्कृत भी कर लिया है। वैज्ञानिकों के एक समूह ने मैंडक के भ्रूण की जीवित कोशिकाओं को अन्य नूतन जीवन रूपों के रूप में अवतरित करने में सफलता प्राप्त कर ली है। इसे ‘एक्सनॉबॉट्स’ रोबोट नाम दिया गया है। इसमें न्यूनतम वजन की युक्ति (डिवाइस) के जरिए इंद्रिय बोध कराया जा सकता है। इसमें 24 संवेदी यंत्र (सेंसर) संलग्न हैं। यह मांसपेशियों की गतिविधियों और दिमाग़ अनुभव करके काम को अंजाम देता है। इसे तकनीकी नाम ‘एस्पर बायोनिक्स प्रोस्टैटिक हैंड’ दिया गया है। इसे क्रियाशील बनाए रखने में एआई और क्लाउड प्रौद्योगिकी अर्थात क्लाउड कंप्यूटिंग का प्रयोग किया जाता है। इस तकनीक के जरिए हाईडिस्क या ड्राइव की बजाय इंटरनेट पर उपलब्ध डाटा और प्रोग्राम श्रणन कर लिए जाते हैं। हम जानते हैं किसी हाईडिस्क में सूचनाओं की उपलब्धता की एक सीमा है, लेकिन सूचना अंतर्जाल में असीमित हैं। क्लाउड टेक्नोलॉजी को सरल रूप में यूं भी समझ सकते हैं कि जिस तरह से बादलों में पानी भरा होता है, उसी तरह क्लाउड (बादल) कंप्यूटिंग में सूचनाएं भरी होती हैं।

नई पीढ़ी के उत्साह से मजबूत होती परंपरा

गणेशोत्सव की सबसे उल्लेखनीय बात यह है कि इसमें युवाओं की भागीदारी लगातार दिखाई दे रही है। पंडालों की सजावट से लेकर सामाजिक कार्यक्रमों और विसर्जन यात्राओं तक युवा बढ-चढ़कर हिस्सा ले रहे हैं। उनके लिए गणेशोत्सव केवल पूजा का अवसर नहीं बल्कि अपनी संस्कृति से जुड़ने और सामूहिक रूप से उत्सव मनाने का माध्यम भी बन रहा है। सोशल मीडिया के माध्यम से अलग-अलग शहरों के गणेशोत्सव की झलक देशभर तक पहुंच रही है, जिससे इस पर्व की सांस्कृतिक पहुंच और व्यापक हो रही है। मुंबई में गणपति विसर्जन के दौरान भी फिल्मी दुनिया के सितारे और प्रमुख परिवार उत्सव में शामिल हुए। शिल्पा शेठ्टी ने परिवार के साथ ढोल-नगाड़ों के बीच बप्पा को विदाई दी। अंबानी परिवार भी विसर्जन यात्रा में शामिल हुआ। अभिनेता गोविंदा ने अपने बेटे के साथ गणपति विसर्जन की रस्म निभाई।राजनीतिक क्षेत्र से भी कई प्रमुख चेहरे गणेशोत्सव में श्रद्धा के साथ शामिल हुए। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन और महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने सिद्धिविनायक मंदिर में दर्शन किए। महाराष्ट्र के राजनीतिक नेताओं की गणपति दर्शन में भागीदारी इस पर्व की व्यापक सामाजिक स्वीकार्यता को दर्शाती है। गणेशोत्सव के अवसर पर विभिन्न राजनीतिक विचारों से जुड़े नेता भी सार्वजनिक रूप से गणपति के दर्शन करते रहे हैं।गणेशोत्सव की असली शक्ति उसकी भव्य सजावट या प्रसिद्ध लोगों की मौजूदगी भर में नहीं है। इसकी ताकत उस सामूहिक भावना में है, जिसमें सामान्य परिवार, युवा, बुजुर्ग, कलाकार, खिलाड़ी, उद्योगपति और सार्वजनिक जीवन से जुड़े लोग एक साथ भगवान गणेश के सामने श्रद्धा से सिर झुकाते हैं। मुंबई की गलियों से लेकर देश के छोटे शहरों तक गणपति बप्पा के जयकारे लोगों को जोड़ते हैं।यह पर्व भारतीय समाज की उस परंपरा का प्रतीक है, जिसमें धर्म के साथ कला, संस्कृति, सेवा और सामाजिक सहभागिता जुड़ी हुई है। समय के साथ प्रतिमाओं की शैली बदली है, पंडालों की सजावट बदली है और उत्सव मनाने के तरीके भी बदले हैं, लेकिन श्रद्धा का भाव कायम है। यही कारण है कि गणेशोत्सव हर वर्ष नए उत्साह के साथ लौटता है और सार्वजनिक जीवन में उमंग, एकता और सांस्कृतिक चेतना का वातावरण पैदा करता है। गणपति बप्पा के जयकारों के बीच यही संदेश उभरता है कि आस्था जब समाज को जोड़ती है तो वह केवल धार्मिक पर्व नहीं रहती, बल्कि जनउत्साह की जीवंत अभिव्यक्ति बन जाती है।

(लेखक- कांतिलाल मांडोट)



तन की तपस्या जीवन को तमाशा बनाती है जबकि मन की तपस्या जीवन को तीर्थ बनाती है। तन की तपस्या को एक फुटपथ का दुकानदार भी दिन भर कर लेता है। ना भोजन लेता, ना पानी लेता है, लेकिन उसकी तपस्या कर्मों को नष्ट नहीं कर पाती है। जबकि एक संन्यासी जीव अपने ज्ञान से क्षण में ही कर्मों का क्षरण कर लेते हैं। छहडालाकार ने लिखा है- कोटि जन्म तप तपे ज्ञान बिन कर्म इरैं जे ज्ञानी के छिन माहि त्रिगुति तैं सहज टरैं जे ॥ तन कुछ और नहीं बस अपने मन को विषय भोगों से, संसार से मोड़ लेना ही तप है। कर्म क्षयार्थ तप्यते इति तपः कर्म क्षय के लिए जो भी किया जाये वह तप है। जिस प्रकार पृथ्वी को खोदे बिना पानी नहीं निकलता, स्वर्ण को तपाये बिना चमक नहीं ला सकते, सूर्य के बिना कमल को नहीं खिला सकते, ठीक उसी प्रकार बिना तपस्या के मुक्ति को प्राप्त नहीं किया जा सकता। दुकानदार दुकान में, शिक्षक स्कूल में, वकील कचहरी में, डॉक्टर अस्पताल में, महिलाएं घर में तप करती हैं, मगर ये तप भौतिक सम्पदा तो दे सकता है लेकिन पारमार्थिक नहीं। यदि भोजन अनुकूल न मिले और संकलेशता न हो वह तप है। अपेक्षा की उपेक्षा में सानुभाव होना ही तप है। अपनी इच्छाओं को, आकांक्षाओं को रोक लेना ही तप है। संसार में मनुष्य जन्म दुर्लभ है। उसमें पाण्डित्य पाना अति दुर्लभ है, जैन धर्म मिलना महा दुर्लभ है और उसे पाकर तप करना तीनों लोकों से दुर्लभ है। अतः हमें सारी दुर्लभ वस्तुएँ प्राप्त हुई हैं क्यों न इनके माध्यम से तप करके जोत को उर्ध्वगामी बनाएँ। इसमें ही जन्म और जीवन की सार्थकता है।जय महावीर।

(लेखक-उपाध्याय विशोक सागर)



